त्रिवर्षीय स्नातक पाठयक्रम

विषय – संस्कृत

(राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 पर आधारित प्रस्तावित पाठ्यक्रम)

स्नातक प्रथम वर्ष, द्वितीय वर्ष एवं तृतीयवर्ष हेतु संस्कृत विषय के दो-दो प्रश्नपत्र 75 अंकों के होंगे, जिनमें 60 अंकों की लिखित परीक्षा होगी और आन्तरिकमूल्यांकन(सतत व्यापक मूल्यांकन) 15 अंकों का होगा। प्रत्येक प्रश्नपत्र पाँच इकाइयों में विभक्त होगा और प्रत्येक इकाई 12 अंकों की होगी।

ProgrammeOutcome

छात्रों में लेखन एवं वाचन में भाषागत कौशल का विकास होगा।
भाषिक ज्ञान के साथ अभिव्यक्ति क्षमता का विकास होगा।
प्राचीन भारतीय विद्या की जानकारीपूर्वक राष्ट्रगौरव की चेतना विकसित होगी।
भारतीय सांस्कृतिक परम्परा से अवगत होकर विश्वमानवता के भाव में प्रतिष्ठित होंगे।
नैतिक तथा मानवीय मूल्यों को आत्मसात् कर राष्ट्रोन्नति में एक सक्षम मानव संसाधन सिद्ध होंगे।

Programme Specific Outcome

विश्व की सर्वाधिक वैज्ञानिक भाषा संस्कृत के स्वर्णिम अतीत तथा वर्तमान युग में उसकी प्रासंगिकता का अवबोध होगा।
संस्कृतभाषा में रचित अनेक शास्त्रों के अनुशीलन से शास्त्रीय ज्ञान सह तर्कपूर्ण मौलिक चिन्तन की क्षमता निर्मित होगी।
संस्कृत काव्य की विविध विधाओं से परिचय के फलस्वरूप भाषामर्मज्ञता का विस्तार होगा।
संस्कृत व्याकरण के अध्ययन से उच्चारण-लेखन की भाषिक दक्षता प्राप्त होगी।
भारतीय मनीषा द्वारा विश्व को प्रदत्त ज्ञानावदान की जानकारी राष्ट्रगौरवानुभूतिपूर्वक मौलिक चिन्तन-सर्जन की प्रेरणा प्रदान करेगी।

Course Outcome

प्राचीन नाट्य साहित्य के अनुशीलन से तत्कालीन समाज तथा लोक-व्यवहार एवं भाषा आदि का ज्ञान होगा।
मानवीय जीवनमूल्य, संवेदनाओं तथा गुणों को आत्मसात् करने की प्रेरणा मिलेगी।
विश्वस्वीकृत सर्वश्रेष्ठ व्याकरणशास्त्र की विशेषताओं से परिचय होगा।
वर्णमाला की गहन जानकारीपूर्वक शब्दों के योग तथा विच्छेद का ज्ञान प्राप्त होगा।
शब्दों के आधिकारिक ज्ञान के साथ संभाषण एवं लेखन में दक्षता प्राप्त होगी।

बी.ए. प्रथम वर्ष

प्रथम प्रश्नपत्र - नाटक, व्याकरण और भाषाकौशल Paper Code- Y101

पूर्णांक– 60

प्रस्तावित व्याख्यान 90 — 6 Credit

इकाई	पाठ्यविषय	व्याख्यान-संख्या
1	स्वप्नवासवदत्तम् – प्रथम से चतुर्थ अंक पर्यन्त। (व्याख्या तथा समीक्षात्मक प्रश्न)	20
2	स्वप्नवासवदत्तम् – पंचम अंक से समाप्तिपर्यन्त। (व्याख्या तथा समीक्षात्मक प्रश्न)	15
3	**संस्कृत संभाषण तथा लेखन –** (निम्नलिखित अनुसार शिक्षण केन्द्रित होगा।) सुबन्त (शब्दरूप) - देव, गति, भानु, पितृ, करिन्, भवत्, कर्तृ, आत्मन्,लता, मति, नदी, मातृ, फल, सर्व, तद्, एतद्, यद्, इदम्, अस्मद्, युष्मद्, एक, द्वि, त्रि, चतुर्। तिङन्त (धातुरूप) - परस्मैपदी - भू, पठ्, गम्, अस्, पा, स्था, दृश्, दा, कृ, तुद्, चुर्, दिव्। आत्मनेपदी - सेव्, रम्, रुच्, मुद्, लभ्, जन्, वृत्, वृध्। अव्यय - अत्र, यत्र, तत्र, कुत्र, अन्यत्र, सर्वत्र, एकत्र, अधुना, इदानीम्, अद्य, श्वः, परश्वः, ह्यः, परह्यः, आम्, न, पुरतः, पृष्ठतः, वामतः, दक्षिणतः, उपरि, अधः, यदा, तदा, कदा, सदा, सर्वदा, किम्, कुतः, कति, किमर्थम्, अतः।	15

4	सन्धि - अच्, हल् तथा विसर्ग सन्धि (लघुसिद्धान्तकौमुदी से अध्येतव्य))	20
5	प्रत्याहार, संज्ञा और विभक्त्यर्थ प्रकरण (लघुसिद्धान्तकौमुदी से अध्येतव्य)	20

अनुशंसितग्रन्थ –

1. स्वप्नवासवदत्तम् –श्री तारिणीश झा, प्रकाशक -रामनारायण बेनीमाधव, इलाहाबाद
2. स्वप्नवासवदत्तम्–वासुदेव कृष्ण चतुर्वेदी, प्रकाशक -महालक्ष्मी प्रकाशन, आगरा
3. प्रारम्भिक रचनानुवादकौमुदी – डा. कपिलदेवद्विवेदी, प्रकाशक– विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
4. रचनानुवादकौमुदी – डा. कपिलदेवद्विवेदी, प्रकाशक– विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
5. अनुवाद चन्द्रिका –डा. यदुनन्दन मिश्र,प्रकाशक -चौखम्बा ओरियन्टालिया, दिल्ली
6. संस्कृतमेंअनुवादकैसेकरें – उमाकान्तमिश्रशास्त्री, प्रकाशक - भारतीभवन
7. लघुसिद्धान्तकौमुदी – श्रीमहेशसिंहकुशवाहा, प्रकाशक – चौखम्बाविद्याभवन, वाराणसी
8. लघुसिद्धान्तकौमुदी – रामविलास चौधरी, प्रकाशक – मोतीलाल बनारसीदास, वाराणसी
9. रूपचन्द्रिका – ब्रह्मानन्द त्रिपाठी, प्रकाशक –चौखम्बाविद्याभवन, वाराणसी
10. संस्कृतस्यव्यावहारिकस्वरूपम् – डा. नरेन्द्र, प्रकाशक –श्रीअरविन्दआश्रम

मूल्यांकन योजना	(अधिकतम अंक 75)	
विश्वविद्यालयीन परीक्षा	पाँचों इकाई से पाठ्य-विषय अनुसार विकल्प सहित 12-12 अंकों के प्रश्न पूछे जायेंगे । 5 x12 = 60	60 अंक
आन्तरिक (सतत व्यापक मूल्यांकन)	पाठ्यक्रम सम्बन्धित–परियोजना /असाइनमेंट / पेपर प्रेजेटेशन / आवधिक परीक्षण 10 अंक संस्कृत संभाषण (मौखिकी) 5 अंक	15 अंक

Course Outcome
विश्व के प्राचीनतम, तथा भारत के ज्ञानागारभूत ग्रन्थऋग्वेद तथा अन्य वैदिक, पौराणिक साहित्य के अनुशीलन से प्राचीन ज्ञान-सम्पदा का बोध होगा। वैदिक साहित्य में प्रतिपादित विश्वबन्धुत्व, सर्वात्मभाव तथा समत्वचिन्तन के उच्च आदर्शों से मानवीय सद्गुणों का आधान एवं विकास होगा। उपदेशात्मक ग्रन्थ से नैतिक एवं व्यावहारिक ज्ञान की लब्धि होगी। ज्ञानार्जन के साथ उच्चारण एवं भाषिक क्षमता में अभिवृद्धि होगी। आधुनिक युग की संस्कृत रचनाओं की जानकारी प्राप्त होगी।

बी.ए. प्रथम वर्ष

द्वितीय प्रश्नपत्र - प्राचीन एवं आधुनिक साहित्य Paper Code - Y102

पूर्णांक – 60

6 Credit

प्रस्तावित व्याख्या 90

इकाई	पाठ्यविषय	व्याख्यान-संख्या
1	वैदिक एवं पौराणिकसाहित्य - वेद, ब्राह्मण,आरण्यक, उपनिषद्, वेदांगों एवं पुराणों का संक्षिप्त परिचय	20
2	वैदिक साहित्य में विश्वबन्धुत्व, सर्वात्मभाव एवं समत्वचिन्तन। ऋग्वेद, संज्ञानसूक्त(10.191) के मन्त्र सं. – 2,3,4 ऋग्वेद, पुरुषसूक्त का मन्त्र सं.– 2 ऋग्वेद, विश्वेदेवासःसूक्त (1.89) के मन्त्र सं. –6,8 यजुर्वेद 31 वें अध्याय का मन्त्र सं.- 19 यजुर्वेद 36 वें अध्याय का मन्त्र सं.– 18 कठोपनिषद् का शान्तिमन्त्र तथा द्वितीय अध्याय, द्वितीय वल्ली के श्लोक सं. – 9, 10, 12. मुण्डकोपनिषद् का श्लोक सं. 3.1.3 छान्दोग्योपनिषद् का श्लोक सं. 3.14.1	15
3	शुकनासोपदेश– व्याख्या तथा समीक्षात्मक प्रश्न	15

4	हितोपदेशः (मित्रलाभः) – व्याख्या तथा समीक्षात्मक प्रश्न	20
5	आधुनिक संस्कृत कवि-परिचय – अप्पाशास्त्रीराशिवडेकर,पण्डिता क्षमा राव,जगन्नाथ पाठक, श्रीनिवासरथ, जानकीवल्लभ शास्त्री, वेंकटरामराघवन, अभिराजराजेन्द्र मिश्र, डा. राधावल्लभ त्रिपाठी, हर्षदेव माधव, डा. रेवा प्रसाद द्विवेदी, डा.पुष्पा दीक्षित,डा. कामता प्रसाद त्रिपाठी.	20

अनुशंसितग्रन्थ –

1. ऋक्सूक्तसंग्रह – तारिणीश झा, प्रकाशक – प्रकाशन केन्द्र, लखनऊ
2. ऋग्वेदसंहिता - श्रीमन्मोक्षमूलर भट्ट, प्रकाशक –कृष्णदास अकादमी, वाराणसी
3. शुक्लयजुर्वेद संहिता - श्रीरामकृष्ण शास्त्री, प्रकाशक –चौखम्बा विद्याभवन वारासी
4. पुराण-विमर्श - आचार्यबलदेवउपाध्याय, प्रकाशक–चौखम्बाविद्याभवन, वाराणसी
5. वैदिकसाहित्यस्येतिहासः – डा. राजधर मिश्रः, प्रकाशक–श्याम प्रकाशन, जयपुर
6. वैदिकसाहित्यऔरसंस्कृति – आचार्यबलदेवउपाध्याय, प्रकाशक– शारदा मन्दिर, काशी
7. वैदिकसाहित्यऔरसंस्कृति – वाचस्पति गैरोला, प्रकाशक -चौखम्बा संस्कृत प्रतिष्ठान, वाराणसी
8. संस्कृतसाहित्यकाइतिहास–आचार्यबलदेवउपाध्याय, शारदा निकेतन, वाराणसी
9. संस्कृतसाहित्यकासमीक्षात्मक इतिहास– डा. कपिलदेव द्विवेदी
10. कठोपनिषद् , प्रकाशक -गीताप्रेस, गोरखपुर
11. माण्डूक्योपनिषद् , प्रकाशक -गीताप्रेस, गोरखपुर
12. छान्दोग्योपनिषद् , प्रकाशक -गीताप्रेस, गोरखपुर
13. शुकनासोपदेश – प्रकाशक–मोतीलालबनारसीदास, वाराणसी
14. हितोपदेश (मित्रलाभ) - प्रकाशक–मोतीलालबनारसीदास, वाराणसी

15. हितोपदेश (मित्रलाभ) -आचार्य श्रीशेषराज शर्मा रेग्गमी,प्रकाशक – चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी

16. हितोपदेश- नारायणराम आचार्य तीर्थ, प्रकाशक -चौखम्बाविद्याभवन, वाराणसी

17. नवस्पन्द सम्पादक – डा. राधावल्लभ त्रिपाठी, प्रकाशक - मध्यप्रदेश हिन्दी ग्रन्थ अकादमी, भोपाल

मूल्यांकन योजना		(अधिकतम अंक 75)
विश्वविद्यालयीन परीक्षा	पाँचों इकाई से पाठ्य-विषय अनुसार विकल्प सहित 12-12 अंकों के प्रश्न पूछे जायेंगे। 5 x12 = 60	60 अंक
आन्तरिक (सतत व्यापक मूल्यांकन)	पाठ्यक्रम सम्बन्धित–परियोजना /असाइनमेंट / पेपर प्रेजेटेशन / आवधिक परीक्षण 10 अंक इकाई 2 (वैदिक साहित्य में विश्वबन्धुत्व, सर्वात्मभाव एवं समत्वचिन्तन) से मौखिकी 5 अंक	15 अंक

Course Outcome
अभिनय कला के सांगोपांग ज्ञान से सम्बन्धित क्षेत्र में व्यावसायिक अवसर की संभावना बनेगी। पाठ्य नाटक से पर-हितार्थ सहयोग तथा त्याग-भावना की प्रवृत्ति उदित होगी। व्याकरण के अनुशीलन से पदच्छेद, पदों के समास तथा वाक्यों के वाच्य-परिवर्तन की क्षमता निर्मित होगी। संस्कृत संभाषण-लेखन का कौशल विकसित होगा।

बी.ए. द्वितीय वर्ष

प्रथम प्रश्नपत्र - नाटक, अभिनयकला तथा व्याकरण Paper Code - Y103

पूर्णांक – 60

प्रस्तावित व्याख्यान 90 — 6 Credit

इकाई	पाठ्यविषय	व्याख्यान-संख्या
1	नागानन्दनाटकम् अंक – 1,2,3 पर्यन्त (व्याख्या तथा समीक्षात्मक प्रश्न)	20
2	नागानन्दनाटकम् अंक – 4,5 (व्याख्या तथा समीक्षात्मक प्रश्न)	15
3	नाट्यविद्या और रंगकर्म - नाट्य-लक्षण, चतुर्विध अभिनय, कथावस्तु– मुख्य-गौण, रस-प्रकार, नायक-नायिका-भेद। नाट्यशास्त्रीय परिभाषाएँ – नान्दी, सूत्रधार, नेपथ्य, प्रस्तावना, स्वगत, प्रकाश, जनान्तिक, अपवारित, कंचुकी, विदूषक, भरतवाक्य।	20
4	समास प्रकरण (लघुसिद्धान्तकौमुदी)	20
5	वाच्यभेद – कर्तृवाच्य, कर्मवाच्य, भाववाच्य	15

अनुशंसितग्रन्थ –

1. नागानन्दनाटक – हर्षवर्धन, प्रकाशक – चौखम्बाविद्याभवन, वाराणसी
2. दशरूपकम् - डा. रमाशंकर त्रिपाठी, प्रकाशक – विश्वविद्यालय प्रकाशन,वाराणसी
3. लघुसिद्धान्तकौमुदी – श्रीमहेशसिंहकुशवाहा, प्रकाशक – चौखम्बाविद्याभवन, वाराणसी
4. रचनानुवादकौमुदी – डा. कपिलदेवद्विवेदी, प्रकाशक– विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
5. अनुवाद चन्द्रिका – डा. यदुनन्दन मिश्र, प्रकाशक -चौखम्बा ओरियन्टालिया, दिल्ली

मूल्यांकन योजना	(अधिकतम अंक 75)	
विश्वविद्यालयीन परीक्षा	पाँचों इकाई से पाठ्य-विषय अनुसार विकल्प सहित 12-12 अंकों के प्रश्न पूछे जायेंगे । 5 x12 = 60	60 अंक
आन्तरिक (सतत व्यापक मूल्यांकन)	पाठ्यक्रम सम्बन्धित–परियोजना /असाइनमेंट / पेपर प्रेजेटेशन / आवधिक परीक्षण 10 अंक इकाई 3 (नाट्यविद्या और रंगकर्म) से मौखिकी 5 अंक	15 अंक

Course Outcome
काव्य के दृश्य-श्रव्य आदि भेदोपभेदों का सम्यक् ज्ञान होगा। विभिन्न ऐतिहासिक वृत्तों की जानकारी प्राप्त होगी। पाठ्यविषय से भारतीय सांस्कृतिक मूल्यों से सुपरिचित हो सकेंगे। नैतिक चिन्तन की क्षमता में अभिवृद्धि होगी और चारित्र्य-विकास होगा। भारतीय मनीषी तत्त्व-चिन्तकों द्वारा ज्ञान के विभिन्न क्षेत्रों में विश्व को प्रदत्त अभूतपूर्व अवदान की जानकारी मिलेगी।

बी.ए. द्वितीय वर्ष

द्वितीय प्रश्नपत्र - काव्य, साहित्येतिहास तथा तत्त्वचिन्तक **Paper Code – Y104**

पूर्णांक– 60

प्रस्तावित व्याख्यान 90 — 6 Credit

इकाई	पाठ्यविषय	व्याख्यान-संख्या
1	रघुवंशमहाकाव्यम् (द्वितीय सर्गः)श्लोक 1 से 40 तक (व्याख्या तथा समीक्षात्मक प्रश्न)	20
2	रघुवंशमहाकाव्यम् (द्वितीय सर्गः)श्लोक 41से75 तक (व्याख्या तथासमीक्षात्मक प्रश्न)	15
3	नीतिशतकम् (भर्तृहरिकृत) दो श्लोकों की व्याख्या	20
4	**नाटक** - अभिज्ञानशाकुन्तल, उत्तररामचरित, वेणीसंहार, मुद्राराक्षस, मृच्छकटिक। **महाकाव्य**- रघुवंश, कुमारसंभव, बुद्धचरित, सौन्दरनन्द, किरातार्जुनीय, भट्टिकाव्य, जानकीहरण, शिशुपालवध, नैषधीयचरित, हरविजय, नवसाहसांकचरित, विक्रमांकदेवचरित। **गद्यकाव्य** -वासवदत्ता, दशकुमारचरित, कादम्बरी, हर्षचरित, शिवराजविजय। **खण्डकाव्य** (गीतिकाव्य एवं मुक्तक) - शतकत्रय (भर्तृहरि),	20

	ऋतुसंहार, मेघदूत, अमरुकशतक, गीतगोविन्द, भामिनीविलास, पंचलहरी। **चम्पूकाव्य** - नलचम्पू, रामायणचम्पू, भारतचम्पू, **कथासाहित्य** –पंचतंत्र, हितोपदेश, बेतालपंचविंशति, शुकसप्तति, कथासरित्सागर,बृहत्कथामंजरी। (उल्लिखितकृतियोंकेरचनाकारोंकासामान्यपरिचयअपेक्षितहै।)	
5	भारतीय तत्त्वचिन्तक – महर्षि यास्क, आचार्य शंकर, आर्यभट्ट, भास्कराचार्य, बोधायन, नागार्जुन, भारद्वाज, कौटिल्य, पाणिनि, कणाद,पतंजलि, चरक, सुश्रुत।	15

अनुशंसितग्रन्थ –

1. रघुवंशमहाकाव्य – कालिदास, प्रकाशक – मोतीलालबनारसीदास
2. नीतिशतकम् – स्वामी प्रखर प्रज्ञानन्द सरस्वती, प्रकाशक – चौखम्बा संस्कृत संस्थान, वाराणसी
3. संस्कृतसाहित्यकाइतिहास–आचार्यबलदेवउपाध्याय, प्रकाशक –शारदा मन्दिर, काशी
4. संस्कृतसाहित्यकासमीक्षात्मक इतिहास– डा. कपिलदेव द्विवेदी, प्रकाशक – रामनारायणलाल विजय कुमार, इलाहाबाद
5. संस्कृतसाहित्यकाइतिहास – वाचस्पति गैरोला, प्रकाशक –चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी

मूल्यांकन योजना		(अधिकतम अंक 75)
विश्वविद्यालयीन परीक्षा	पाँचों इकाई से पाठ्य-विषय अनुसार विकल्प सहित 12-12 अंकों के प्रश्न पूछे जायेंगे। 5 x12 = 60	60 अंक
आन्तरिक (सतत व्यापक मूल्यांकन)	पाठ्यक्रम सम्बन्धित–परियोजना /असाइनमेंट / पेपर प्रेजेटेशन / आवधिक परीक्षण 10 अंक इकाई 3 (नीतिशतकम्) से मौखिकी 5 अंक	15 अंक

Course Outcome
विश्वप्रसिद्ध नाटक की काव्यगत विशेषताओं की जानकारी मिलेगी। अभिनय कला के कलात्मक तथा भावात्मक पक्ष का ज्ञान होगा। व्याकरण के प्रत्यय-अनुशीलन से पद-व्युत्पत्ति का बोध-विस्तार होगा। भाषिक क्षमता की वृद्धि होगी। छत्तीसगढ़ के तीर्थ-स्थलों के अनुशीलन से प्रदेश के भौगोलिक-धार्मिक वैशिष्ट्य का ज्ञान प्राप्त होगा।

बी.ए. तृतीय वर्ष

प्रथम प्रश्नपत्र - नाटक, व्याकरण तथा छत्तीसगढ़ी तीर्थ-वैभव Paper Code – Y105

पूर्णांक– 60

प्रस्तावित व्याख्यान 90 — 6 Credit

इकाई	पाठ्यविषय	व्याख्यान-संख्या
1	अभिज्ञानशाकुन्तलम् (1 से 4 अंक तक) (अंक 1 तथा 4 से व्याख्या तथा समीक्षात्मक प्रश्न)	20
2	अभिज्ञानशाकुन्तलम् (5 से 7 अंक तक) (अंक 5 तथा 7 से व्याख्या तथा समीक्षात्मक प्रश्न)	20
3	व्याकरण - कृत् प्रत्यय - तव्यत्, अनीयर्, यत्, क्यप्, ण्यत्, शतृ, शानच्, क्त्वा, ल्यप्, तुमुन्, क्त, क्तवतु, ण्वुल्, तृच्, ल्युट्, अण्। स्त्रीप्रत्यय –टाप्, ङीप्, ङीष्, ङीन्। (लघुसिद्धान्तकौमुदी से अध्येतव्य)	20
4	व्याकरण - तद्धितप्रत्यय – अण्, ढक्, ष्यञ्, त्व, तल्, इमनिच्, ठक्, इञ्, मतुप्, इनि, इतच्,ईयसुन्, इष्ठन्, तरप्, तमप्, ण्य, यञ्। (लघुसिद्धान्तकौमुदी से अध्येतव्य)	15
5	छत्तीसगढ़ के प्रमुख तीर्थस्थल – सिरपुर, राजिम, डोंगरगढ़, सिहावा, दन्तेवाड़ा, खल्लारी, शिवरीनारायण, चम्पारण्य, तुरतुरिया, लाफागढ़, रतनपुर, कबीरधाम, दामाखेड़ा, गिरौदपुरी, सामरबार (जशपुर)।	15

Vaibhav

अनुशंसितग्रन्थ –

1. अभिज्ञानशाकुन्तलम् – डा. वासुदेव कृष्ण चतुर्वेदी, प्रकाशक - महालक्ष्मी प्रकाशन, आगरा
2. अभिज्ञानशाकुन्तलम् – सुबोधचन्द्र पंत,प्रकाशक – मोतीलालबनारसीदास, दिल्ली
3. लघुसिद्धान्तकौमुदी – श्रीधरानन्दशास्त्री, प्रकाशक – मोतीलालबनारसीदास, दिल्ली
4. लघुसिद्धान्तकौमुदी – श्री महेशसिंहकुशवाहा, प्रकाशक–चौखम्बाविद्याभवन, वाराणसी
5. लघुसिद्धान्तकौमुदी – डा. प्रभाकर मिश्र, प्रकाशक–चौखम्बाविद्याभवन, वाराणसी
6. शीघ्रबोधव्याकरणम् – डा. पुष्पादीक्षित, पाणिनीयशोधसंस्थान, तेलीपारा, बिलासपुर

मूल्यांकन योजना		(अधिकतम अंक 75)
विश्वविद्यालयीन परीक्षा	पाँचों इकाई से पाठ्य-विषय अनुसार विकल्प सहित 12-12 अंकों के प्रश्न पूछे जायेंगे। 5 x12 = 60	60 अंक
आन्तरिक (सतत व्यापक मूल्यांकन)	पाठ्यक्रम सम्बन्धित–परियोजना /असाइनमेंट / पेपर प्रेजेटेशन / आवधिक परीक्षण 10 अंक इकाई 3 तथा 4 (व्याकरण) से मौखिकी 5 अंक	15 अंक

Course Outcome
आदिकाव्य रामायण महाकाव्य के अनुशीलन से भारतीय सांस्कृतिक चेतना का प्रसार तथा चारित्रिक आदर्श की प्रेरणा प्राप्त होगी। महाभारत-आधारित ग्रन्थानुशीलन से कथा-परिचय सह राजनीतिक सूझ का विकास होगा। छन्दों के ज्ञान से मौलिक काव्य-निर्माण की योग्यता विकसित होगी। अलंकार-ज्ञान से मौलिक कल्पना तथा चिन्तन को विस्तार मिलेगा। संस्कृत भाषा में निबन्ध, समाचार आदि लेखन-क्षमता से व्यावसायिक अवसर उपलब्ध होगा।

बी.ए. तृतीय वर्ष

द्वितीय प्रश्नपत्र - काव्य,काव्यविधान तथा लेखनकौशल Paper Code – Y106

पूर्णांक– 60

प्रस्तावित व्याख्यान 90 — 6 Credit

इकाई	पाठ्यविषय	व्याख्यान-संख्या
1	किरातार्जुनीयम् (भारवि) प्रथमसर्ग (व्याख्या तथा आलोचनात्मक प्रश्न)	20
2	वाल्मीकीय रामायण– बालकाण्ड, प्रथम तथा द्वितीय सर्ग (व्याख्या तथा आलोचनात्मक प्रश्न)	20
3	छन्दःशास्त्रम् - अनुष्टुप्, इन्द्रवज्रा, उपेन्द्रवज्रा, उपजाति, वंशस्थ, आर्या, मालिनी,शिखरिणी, वसन्ततिलका, शार्दूलविक्रीडित, स्रग्धरा, मन्दाक्रान्ता, भुजंगप्रयातम्। (उक्त छन्दों के लक्षण के साथ उदाहरण पाठ्यक्रमों से भी दिये जा सकते हैं।)	15
4	अलंकार - अनुप्रास, यमक, शब्दश्लेश, उपमा, रूपक, उत्प्रेक्षा, अनन्वय, अर्थान्तरन्यास, स्वभावोक्ति, अतिशयोक्ति, दीपक, विभावना, विशेषोक्ति, अपह्नुति, दृष्टान्त, निदर्शना, प्रतिवस्तूपमा, सन्देह, भ्रान्तिमान्, काव्यलिंग।	15

	(टिप्पणी - उक्त अलंकारों के लक्षण चन्द्रलोक, काव्यप्रकाश अथवा साहित्यदर्पणसे अध्येतव्य हैं, उदाहरण पाठ्यपुस्तकोंसे भी दिये जा सकते हैं।)	
5	संस्कृतभाषा में निबन्ध, समाचारलेखन, पत्रलेखन । (15 वाक्यों में)	20

अनुशंसितग्रन्थ –

1. किरातार्जुनीयम् (प्रथम सर्ग) - डा. राजेन्द्र मिश्र, प्रकाशक – सरस्वती प्रकाशन मन्दिर इलाहाबाद
2. वाल्मीकीय रामायण, प्रकाशक– गीताप्रेस गोरखपुर
3. छन्दोमंजरी – डा. ब्रह्मानन्द त्रिपाठी, प्रकाशक – चौखम्बा सुरभारती, वाराणसी
4. काव्यप्रकाश– आचार्य विश्वेश्वर, प्रकाशक – ज्ञानमण्डल लिमिटेड, वाराणसी
5. चन्द्रालोक – ललन मिश्र, प्रकाशक – चौखम्बा पब्लिशर्स, दिल्ली
6. संस्कृतनिबन्धशतकम् – डा. कपिलदेवद्विवेदी, प्रकाशक –चौखम्बाप्रकाशन, वाराणसी
7. निबन्धपारिजात – डा. रजनीकान्तलहरी, चौखम्बाप्रकाशन, वाराणसी
8. प्रबन्धरत्नाकर – डा. रमेशचन्द्रशुक्ल, चौखम्बाप्रकाशन, वाराणसी
9. रचनानुवादकौमुदी - डा. कपिलदेवद्विवेदी, प्रकाशक –चौखम्बाप्रकाशन, वाराणसी

मूल्यांकन योजना		(अधिकतम अंक 75)
विश्वविद्यालयीन परीक्षा	पाँचों इकाई से पाठ्य-विषय अनुसार विकल्प सहित 12-12 अंकों के प्रश्न पूछे जायेंगे । 5 x12 = 60	60 अंक
आन्तरिक (सतत व्यापक मूल्यांकन)	पाठ्यक्रम सम्बन्धित–परियोजना /असाइनमेंट / पेपर प्रेजेटेशन / आवधिक परीक्षण 10 अंक इकाई 3 (छन्दःशास्त्रम्) तथा इकाई 4 (अलंकार) से मौखिकी 5 अंक	15 अंक